SYLLABUS

For

BA (HONS) in HINDI FYUP PROGRAMME

(Programme Structure & Syllabus)

(As per* Uttar Pradesh NEP-2020 U.G. Course Structure aligned with FYUGP of UGC*)

Academic Session 2025-26

Glocal School of Arts and Social Science

GLOCAL UNIVERSITY

Delhi-Yamunotri Marg (State Highway 57),
Mirzapur Pole,Dist - Saharanpur, U.P. -
247121, India

Uttar Pradesh NEP-2020 U.G. Course Structure aligned with FYUGP of UGC								
Bachelor of Arts- Hindi, (Hons) Semester-VII								
(Four Year Program)								
Course Code	**Course Title**	**Teaching Load**				**Evaluation Scheme**		**Total**
		L	**T**	**P**	**Credits**	**Internal**	**End Sem.**	
A010701T	Hindi Sahitya Ki Etihasik Parampara	4	0	0	4	25	75	100
A010702T	Purv Madhyakalin Kavya	4	0	0	4	25	75	100
A010703T	Uttar Madhyakalin Kavya	4	0	0	4	25	75	100
A010704T	Prayojanmulak Hindi	4	0	0	4	25	75	100
Optional (Hindi) -Choose any one								
A010705T	Vyavaharik Hindi Patrakarita aur Anuvad	4	0	0	4	25	75	100
A010706T	Hindi Dalit Vimarsh aur Sahitya							
Total Credit					**20**	**125**	**375**	**500**

Uttar Pradesh NEP-2020 U.G. Course Structure aligned with FYUGP of UGC								
Bachelor of Arts- Hindi, (Hons) Semester-VIII								
(Four Year Program)								
Course Code	**Course Title**	**Teaching Load**				**Evaluation Scheme**		**Total**
		L	**T**	**P**	**Credits**	**Internal**	**End Sem.**	
A010801T	Bhartiya Sahitya	4	0	0	4	25	75	100
A010802T	Bhasha Vigyan evam Hindi Basha	4	0	0	4	25	75	100
A010803T	Hindi Bhasha ka Vyakaran	4	0	0	4	25	75	100
A010804T	Patrakarita Prasikshan	4	0	0	4	25	75	100
Optional (Hindi) -Choose any one								
A010805T	Vishesh Adhyayan: Kise Ek Rachnakar ka	4	0	0	4	25	75	100
A010806T	Hindi Sahitya Aur Cinema							
Total Credit for					**20**	**125**	**375**	**500**

Glocal University, Saharanpur
चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–7

A010701T; हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक परम्परा

उद्देश्य–हिन्दी साहित्य का उद्देश्य हमारी अनुभूतियों की तीर्वता को बढ़ाने के अलावा वर्तमान समाज और भविष्य के पथ प्रदर्शक की खोज करना होता हैं। इसके द्वारा विद्यार्थियों में लेखन विकास को बढ़ाना है। इसलिए जिस समय साहित्य की रचना की जाती है, उस समय की परिस्थितियों का समावेश अवश्य ही होना चाहिए।

इकाई – (1) हिन्दी साहित्य का इतिहास –:

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
हिन्दी साहित्य का इतिहास – सीमा निर्धारण और नामकरण
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की आधारभूत सामग्री
हिन्दी साहित्य का इतिहास और पुनर्लेखन की समस्या

इकाई – (2) आदिकाल –:

आदिकाल का विभाजन
आदिकाल की पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ
नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य

इकाई – (3) भक्तिकाल –:

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, भक्ति आंदोलन,
भक्तिकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
निर्गुण ज्ञानमार्गी, निर्गुण प्रेममार्गी एवं सगुणभक्ति काव्यधारा
(कृष्ण एवं राम भक्ति काव्यधारा)

इकाई – (4) (क) रीतिकाल –:

रीति काल का नामकरण – औचित्य
रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

(ख) आधुनिक काल–:

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य
हिन्दी कथा साहित्य
हिन्दी नाटक साहित्य
हिन्दी आलोचना

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–

इस पाठयक्रम को पूरा करने में छात्र / छात्राएँ सक्षम होंगे–

CO1-हिन्दी साहित्य के अध्ययन से छात्र कवि, लेखक तथा हिन्दी नाटक और सिनेमा में भी भाग्य समाज को साहित्य से ज्ञान की प्राप्ति होती है। इसके द्वारा विद्यार्थियों में लेखन विकास को बढ़ाना है।

CO2- किसी भी भाषा का साहित्य मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने की क्षमता रखता है।

CO3- समाज को साहित्य से ज्ञान की प्राप्ति होती है। इसके द्वारा विद्यार्थियों में लेखन विकास को बढ़ाना है।

CO4-साहित्य में विज्ञान के साथ साथ दर्शन आदि का ज्ञान भी प्राप्त होता है। जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	2	1	3	2	1	2	1	2	2
CO2	1	1	1	2	1	3	3	1	1	1	1	1
CO3	2	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1
CO4	3	1	3	1	1	1	1	3	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. तिवारी, अशोक, हिन्दी साहित्य, संजना प्रकाशन, आगरा।
2. शुक्ल, रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

Website sources –

- https://hi.wikipedia.org
- www.Ebooks.lpde.in
- www.ignited.in

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–7

A010702T; पूर्व मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य –पूर्व मध्य काल में भूमि अनुदान की प्रथा, सामंतवाद का उदय, शिल्पकारों की स्थिति, और काव्यों की रचना मुख्य उद्देश्य था। इस युग में मुख्य रूप से काव्य की रचना की दो शैलियाँ प्रबंध और मुक्तक प्रचलित थी जो विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करती है।

इकाई – (1) चन्दवरदायी (पद्मावती समय)

इकाई – (2) कबीर (कबीरग्रन्थावली)–: (प्रारम्भिक 50 साखियॉ)

इकाई – (3) (क) सूरदास भ्रमरगीत सार (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

7, 8, 29, 30, 42, 52, 57, 69, 70, 90, 94, 97, 104, 105, 134,

(ख) तुलसीदास रामचरितमानस, (उत्तरकाण्ड प्रारम्भिक 30 दोहे)

इकाई – (4) द्रुतपाठ–:

विद्यापति

अमीर खुसरो

रैदास

कुंभनदास

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**):

इस पाठयक्रम को पूर्ण करने में छात्र छात्राएँ सक्षम होंगे–

CO1-समाज को साहित्य से ज्ञान की प्राप्ति होती है।

CO2-साहित्य की अनेक विधाएँ होती है जैसे कि कहानी, नाटक, उपन्यास काव्य आदि जो विद्यार्थियों में कौशल का विकास करती है

CO3-साहित्य में विज्ञान के साथ साथ दर्शन आदि का ज्ञान भी प्राप्त होता है।

CO4- किसी भी भाषा का साहित्य मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने की क्षमता रखता है जो विद्यार्थियों में कौशल का विकास करती है और राष्ट्रीय स्तर पर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में साहित्य के महत्व को समझें।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	2	1	2	1	3	2	1	2	1	2	2
CO2	1	2	1	2	1	3	2	1	1	2	1	1
CO3	3	1	2	1	2	1	1	2	1	2	1	1
CO4	3	1	2	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. तिवारी, अशोक, हिन्दी साहित्य, संजना प्रकाशन, आगरा ।
2. प्रेमी, गंगासहाय, अधतन काव्य, रंजना प्रकाशन, आगरा ।

Website sources-

- www.Archive.mv.ac.in
- https://hi.wikipedia.org
- www.hindisamay.com
- www.hindisahityadarpan.in

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–7

A010703T; उत्तर मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य –काव्य में निहित भाव को अपने परिवेश से जोड़ कर देख पाना। कल्पना शीलता को बढ़ाना और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायता करना। काव्य में एक विधा के रूप में परिचित होना और उसकी खासियतें जानना ।

इकाई – (1) बिहारी –(बिहारी सतसई– प्रारम्भिक 25 दोहे)

इकाई – (2) भूषण – (भूषण ग्रन्थावली प्रारम्भिक 25 दोहे)

इकाई – (3) केशवदास (रामचन्द्रिका से प्रारम्भिक 25 दोहे)

इकाई – (4) द्रुतपाठ –:

सेनापति

मतिराम

गुरुगोबिन्द सिंह

रसखान

पाठयक्रम के परिणाम (**course outcomes**) –

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में छात्र/छात्राएँ सक्षम होंगे–

CO1-काव्य में शब्द योजना, शैली, छ्ंद, अलंकार और कल्पना, मूर्त –अमूर्त एवं जड़–चेतन आदि का ज्ञान होता हैं।

CO2- स्वयं पढ़कर काव्य के मुख्य भाव और अर्थ को समझाना और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना हैं।

CO3- कल्पना शीलता को बढ़ानाजो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

CO4-काव्य में एक विधा के रूप में परिचित होना और उसकी खासियतें जानना।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	2	2	1	2	2	2	3	1	2	1	2	3
CO2	2	3	1	2	3	2	2	1	1	2	1	1
CO3	2	1	2	1	2	1	1	2	1	2	1	1
CO4	2	1	2	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship Development
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. तिवारी, अशोक, हिन्दी साहित्य , संजना प्रकाशन, आगरा ।
2. प्रेमी, गंगासहाय, अधतन काव्य, रंजना प्रकाशन, आगरा ।

Website sources–

- https://hi.wikipedia.org
- www.ebooks.lpude.in
- www.ignited.in

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–7

A010704T ; प्रयोजनमूलक हिन्दी

उद्देश्य –विषय के पाठ्यक्रम में संगणक, विज्ञापन, समाचार लेखन, फीचर लेखन, अनुवाद, प्रयोजन मूलक हिन्दी आदि विषयों को समाहित किया गया है जो छात्रों को एक नया मार्ग दिखा सकते है एवं उनके कौशलो के विकास एवं रोजगार के अवसर में सहायता करता है।

इकाई – (1) हिन्दी के विविध रूप–:

सर्जनात्मक भाषा
संचार भाषा
राष्ट्रभाषा, राजभाषा, मातृभाषा
कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा)
प्रारुपण, पत्रलेखन

इकाई – (2) संचार लेखन –:

जनसंचार माध्यमों का स्वरुप
जनसंचार का प्रभाव

इकाई – (3)

इन्टरनेट
रेडियो
संवाद लेखन
दृश्य एवं श्रव्य माध्यम

इकाई – (4) हिन्दी के सिद्धान्त एवं उसका व्यवहार –:

अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरुप, क्षेत्र
अनुवाद के क्षेत्र
विज्ञापन का अनुवाद
पत्रों का अनुवाद
अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि
कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद
जनसंचार माध्यमों का अनुवाद

पाठ्यक्रम के परिणाम (**Course Outcomes**)–

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने में छात्र सक्षम होंगे–

CO1-केंद्र के कार्यालयों से लेकर दूतावासों तक में अधिकारी, कर्मचारी बनने के अवसर प्राप्त होता है।

CO2- आकाशवाणी, दूरदर्शन आदि में अनुवादक, संपादक, समाचार दाता आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते है जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

CO3-बैंकों आदि अनेक संस्थाओं में हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्तियाँ हासिल कर सकते है

CO4- प्रयोजन मूलक हिन्दी के द्वारा छात्रों को एक नया मार्ग दिखा सकते है।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	2	1	3	1	3	2	1	3	1	2	3
CO2	2	2	1	2	2	3	3	1	3	2	2	3
CO3	1	2	2	1	2	2	1	1	2	2	2	2
CO4	1	1	3	1	1	2	1	1	2	1	2	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship Development
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. भाटिया ,कैलाश चन्द्र, हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
2. रामप्रकाश, प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. रामप्रकाश प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
4. हरिमोहन, प्रशासनिक हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र लेखन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

Website sources-

- www.jvbi.ac.in.
- www.hindisahity.com
- www.hindikunj.com

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–7

A010705T; व्यावहारिक हिन्दी पत्रकारिता और अनुवाद

(ELECTIVE PAPER)

उद्देश्य –विषय के पाठ्यक्रम में संगणक, विज्ञापन, समाचार लेखन, फीचर लेखन, अनुवाद, प्रयोजन मूलक हिदी आदि विषयों को समाहित किया गया है जो छात्रों को एक नया मार्ग दिखा सकते है एवं उनके कौशल विकास में सहायक होगा।

इकाई 1 :हिन्दी के सिद्धान्त एवं उसका व्यवहार –:

अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरुप, क्षेत्र
अनुवाद के क्षेत्र
विज्ञापन का अनुवाद
पत्रों का अनुवाद
अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि
कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद
जनसंचार माध्यमों का अनुवाद

इकाई 2 पत्रकारिता–: अर्थ और स्वरुप

पत्रकारिता का अर्थ, महत्व

पत्रकारिता : कला एवं विज्ञान
पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार

इकाई 3 : पत्रकारिता से संबंधित लेखन–:
संपादकीय, अग्रलेख
फीचर – लेखन, साक्षात्कार, रिपोर्ताज आदि

इकाई 4 :कार्यालयी हिन्दी

इन्टरनेट
रेडियो
संवाद लेखन

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने में छात्र सक्षम होंगे–

CO1-केंद्र के कार्यालयों से लेकर दूतावासों तक में अधिकारी, कर्मचारी बनने के अवसर प्राप्त होता है।

CO2-आकाशवाणी, दूरदर्शन आदि में अनुवादक, संपादक, समाचार दाता आदि के रूप में नौकरियाँ प्राप्त होती है।

CO3-बैंकों आदि अनेक संस्थाओं में हिन्दी अधिकारी के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते है।

CO4-अनुवाद के प्रकार जैसे साहित्य अनुवाद, आधिकारिक या तकनीकी अनुवाद के बारे में ज्ञान प्रदान करना जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	2	1	3	1	3	2	1	2	1	2	2
CO2	1	2	1	2	1	2	2	1	1	2	1	2
CO3	3	2	2	3	2	2	1	2	1	1	1	1
CO4	3	3	3	3	1	2	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

- दुबे, एस0 के0 पत्रकारिता के नए आयाम, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
- तिवारी, अर्जुन, हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास, वाणी प्रकाशन पी वी टी लिमिटेड
- भाटिया ,कैलाश चन्द्र, हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- रामप्रकाश प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- हरिमोहन, प्रशासनिक हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र लेखन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

Website sources-

- www.jvbi.ac.in.
- www.hindisahity.com
- www.hindikunj.com

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–7

A010706T; हिन्दी दलित विमर्श और साहित्य

ELECTIVE (PAPER)

उद्देश्य : दलित विमर्श जाति आधारित अस्मिता मूलक विमर्श है। जिसका उद्देश्य दलित जीवन की बुनियादी समस्याओं को जनता के सामने लाना है और उनकों रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

इकाई –(1) जूठन (आत्मकथा) ओमप्रकाश वाल्मीकि
इकाई –(2) शम्बूक (खण्डकाव्य) डॉ जगदीशगुप्त
इकाई –(3) हारे हुए लोग (कहानी) मोहनदास नैमिशराय
घुस पैठिए (कहानी) ओमप्रकाश वाल्मीकि
इकाई – (4) द्रुतपाठ

डॉ तुलसीराम

डॉ जयप्रकाश कर्दम

सूरजपाल चौहान

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने में छात्र सक्षम होंगे–

CO1-इससे हम सभी दलित जाति के मनुष्यों के अनुभवों , कष्टों और संघर्षों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।

CO2-. हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें ।

CO3- स्वयं पढ़कर काव्य के मुख्य भाव / अर्थ को समझ सकेंगे और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगें।

CO4- कल्पना शीलता को बढ़ाना जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

PO-CO Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	2	1	2	2	1	2	1	2	2
CO2	1	1	1	2	1	2	2	1	1	1	1	1
CO3	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1
CO4	3	1	3	1	1	1	1	2	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

पालीवाल, कृष्णदत्त, दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार वाणी प्रकाशन, :नयी दिल्ली 2009
प्रसाद माता, दलित साहित्य दशा और दिशा भारतीय दलित साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली 2003

Website sources-

- www.jvbi.ac.in.
- www.hindisahity.com
- www.hindikunj.com

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–8

A010801T; भारतीय साहित्य

उद्देश्य–भाषा का उद्देश्य भाषा की समझ और अभिव्यक्ति का विकास करना है। शिक्षार्थी को अपने भाषिक व्यवहार के प्रति अधिक से अधिक सजग करना है और उनके अन्दर लेखन कौशल का विकास करना है।

इकाई – (1) भारतीय भाषाओं के साहित्य का स्वरुप

भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई – (2) हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

भारतीयता का समाजशास्त्र

इकाई – (3) अग्निगर्भ – (महाश्वेता देवी)

इकाई – (4) 1– गीतांजली – (रवीन्द्रनाथ टैगोर)

2– वर्षा की सुबह – (सीताकान्त महापात्र)

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने में छात्र सक्षम होंगे–

CO1. हिन्दी भाषा की उपयोगिता को बढ़ाना एवं लेखन कौशल का विकास करना जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

CO2- हिन्दी साहित्य का मौलिक एवं अनूदित से परिचय होता है।

CO3- अग्नि गर्भ में सामंती कृषि व्यवस्था, किसानों का जीवन संघर्ष का आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करना है।

CO4- गीतांजली का मुख्य परिणाम शिक्षण पद्धतियों का अध्ययन कर शान्ति निकेतन को लाभ पहुंचाना था।

PO-CO Mapping (Please write 3, 2, 1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	3	1	3	2	1	2	3	2	3
CO2	1	1	1	2	1	3	3	1	1	1	1	1
CO3	2	1	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1
CO4	2	1	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)

(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship Development
CO1	3	1	2
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. तिवारी, अशोक, हिन्दी साहित्य , संजना प्रकाशन, आगरा ।
2. प्रेमी, गंगासहाय, अधतन काव्य, रंजना प्रकाशन, आगरा ।

Website sources:

- **www.drishtilas.com**
- **www.archive.mv.ac.in**
- **www.collegecircular.unipne.ac.in**

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–8

A010802T; भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

उद्देश्य –हिन्दी भाषा को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए इसकी महत्ता को समझने की क्षमता में वृद्धि। हिन्दी को तकनीकी की भाषा बनाना एवं उनमें उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना। हिन्दी भाषा में उच्च शिक्षा प्रदान करना जो विद्यार्थियों में लेखन कौशल तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है।

इकाई – (1) भाषा विज्ञान

भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र में अंतर
भारतीय और पाश्चात्य भाषा विज्ञान का इतिहास
आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय
भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ
भाषा की परिवर्तनशीलता और उसके कारण

इकाई – (2) पद विज्ञान

शब्द और पद का भेद
पद रचना की पद्धतियॉ

वाक्य विज्ञान, परिभाषा, अर्थ, विशेषताए

वाक्य रचना और वर्गीकरण

इकाई – (3) हिन्दी भाषा का स्वरुप और विकास

हिन्दी की उपभाषाओं का सामान्य परिचय
काव्य भाषा के रुप में हिन्दी का विकास

इकाई – (4) भाषा की वर्तमान स्थिति और समस्याएँ

राष्ट्रभाषा के रुप में हिन्दी का विकास
राष्ट्रभाषा हिन्दी की समस्या

पाठयक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–

इस पाठयक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे–

CO1–भाषा की वर्तमान स्थिति और समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर भाषा विज्ञान एवं भाषा में अंतर प्राप्त करना तथा लेखन कौशल तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है।

CO2- कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी भाषा का समग्र ज्ञान प्राप्त करना।

CO3- हिन्दी भाषा की उपयोगिता को बढ़ाना जो राष्ट्रीय स्तर पर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में साहित्य के महत्व को समझें।

CO4- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	1	1	1	3	1	3	1	1	1
CO2	1	1	1	1	1	1	2	1	2	2	1	1
CO3	1	1	1	1	1	1	2	1	3	1	1	1
CO4	1	1	1	1	1	1	2	1	3	1	3	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	2	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. दिनकर, राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता उदयांचल प्रकाशन, पटना ।
2. दुबे,राजनारायण, राजभाषा के आन्दोलन में, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
3. भटनागर, राजेन्द्र मोहन, राष्ट्रभाषा और हिन्दी, के0 हि0 संस्थान, आगरा ।
4. राय, रामदरस, भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।

Website sources –

1- www.wikiepidia.org
2- www.facebook.com.
3- www.microsoft.com

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–8

A010803T; हिन्दी भाषा का व्याकरण स्वरुप

उद्देश्य –हिन्दी व्याकरण ,हिन्दी भाषा को शुद्ध रूप में लिखने और बोलने संबंधी नियमों का बोध कराता हैं व्याकरण भाषा का दिशा एवं निर्देशन भी करता है। भाषा की मितव्ययिता के आधार पर व्याकरण के नियमों का ज्ञान आवश्यक है जो उनके कौशलों का विकास करता है।

इकाई – (1) हिन्दी ध्वनि

स्वर और व्यंजन
संज्ञा, सर्वनाम

क्रिया,विशेषण

इकाई – (2) हिन्दी शब्द समूह –:

तत्सम शब्द, तद्भव शब्द
देशज, विदेशी एवं संकर शब्द,

इकाई – (3) हिन्दी शब्द संरचना –:

पर्यायवाची, समानार्थक, विलोमार्थक
अनेकार्थक, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द

इकाई – (4) लिंग विधान और कारक प्रयोग–:

विरामादि चिह्नों का प्रयोग
वर्तनी, मुहावरे और लोकोक्तियॉ
उपसर्ग एवं प्रत्यय

:

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–
इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे–

CO1छात्रों में व्याकरण के द्वारा भाषा शुद्ध ,लिखने ,बोलने के कौशल का विकास होता है।

CO2व्याकरण ही भाषा को सरलता से अपेक्षित लक्ष्य तक पहुँचाता है।

CO3 व्याकरण के नियमों का ज्ञान ,छात्रों में मौलिक वाक्य संरचना की योग्यता का विकास करता है

CO4 हिन्दी भाषा को शुद्ध रूप में लिखने और बोलने संबंधी नियमों का बोध कराता हैं जो उनके कौशलों का विकास करता है जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

PO-CO Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	1	1	1	3	1	2	3	1	1
CO2	1	1	1	1	1	1	3	1	2	3	1	1
CO3	1	1	1	1	1	1	3	1	3	2	1	1
CO4	1	1	1	1	1	1	3	1	3	2	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	2	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. दिनकर, राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता उदयांचल प्रकाशन, पटना ।
2. दुबे,राजनारायण, राजभाषा के आन्दोलन में, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
3. प्रसाद,वासुदेव नन्दन ,आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना ,भारती भवन, पटना।
4. भटनागर ,राजेन्द्र मोहन, राष्ट्रभाषा और हिन्दी, के0हि0 संस्थान, आगरा ।
5. राय, रामदरस,भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा,भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।

Website sources-

- www.doorsteptutar.com
- www.mycoaching.in
- www.tetsuccesskey.com

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–8

A010804T; पत्रकारिता प्रशिक्षण

उद्देश्य –पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य जनता की इच्छाओं, विचारों को समझना और उन्हें व्यक्त करना हैं। जनता में वांछनीय भावनाएँ जागृत करना और सार्वजनिक दोषों को नष्ट करना हैं तथा उनमें उद्यमिता के गुणों का विकास करना।

इकाई – (1) पत्रकारिता का इतिहास –ः

पत्रकारिता का उद्‌भव एवं विकास
भारतीय भाषाओं के पत्रों का उदय
गाँधीयुग के समाचार पत्र

इकाई – (2) पत्रकारिता–ः अर्थ और स्वरुप

पत्रकारिता का अर्थ, महत्व
पत्रकारिता : कला एवं विज्ञान
पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार

इकाई – (3) संपादक कला –ः

समाचार : लेखन और वाचन
शीर्षक, पृष्ठ – विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति – प्रक्रिया
समाचार के विभिन्न स्रोत
संपादक के कार्य
डपसंपादक
संवाददाता तथा विशेष संवाददाता
दैनिक, मासिक, साप्ताहिक पत्रिका का संपादन

इकाई – (4) (क) पत्रकारिता से संबंधित लेखन–ः

संपादकीय, अग्रलेख
फीचर – लेखन, साक्षात्कार, रिपोर्ताज आदि

(ख) कानून –ः भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार
सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार
पत्रकारों के लिए आचार संहिता
सामाजिक परिवर्तन में संचार माध्यमों की भूमिका

पाठयक्रम के परिणाम (course outcomes)–

इस पाठयक्रम को पूरा करने में छात्र सक्षम होंगे–

CO1- आकाशवाणी, दूरदर्शन आदि में अनुवादक, संपादक, समाचारदाता आदि के रूप में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

CO2- केंद्र के कार्यालयों से लेकर दूतावासों तक में अधिकारी, कर्मचारी बनने के अवसर प्राप्त होते है।

CO3-पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य जनता की इच्छाओं,विचारों को समझना और उन्हें व्यक्त करना हैं।

CO4-पत्रकारिता और साहित्य दोनों में उच्च अध्ययन जारी रखा जा सकता G

PO-CO Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	3	1	1	1	1	3	1	1	1
CO2	1	1	1	2	1	1	1	1	3	1	1	1
CO3	1	1	1	2	1	1	1	1	2	1	1	1
CO4	1	1	1	3	1	1	1	1	3	1	1	1

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	2	1	1
CO2	2	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1– दुबे, एस0के0पत्रकारिता के नए आयाम, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद ।

2– तिवारी, अर्जुन, हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास, वाणी प्रकाशन पी वी टी लिमिटेड।

Website sources –

- .universalexpress.page
- www.hi. www m.wikipedia.org
- www.hindikunj.com

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–8

A010805T; विशेष अध्ययनः किसी एक रचनाकार का

(Elective Paper)

उद्देश्य –कबीर ग्रंथावली में कबीर का उद्देश्य था जन्म–मरण से मुक्त होना। इनके काल में राजनीति और अर्थ की प्रधानता उस समय तक स्थापित नहीं हुई थी यदि कहीं राजनीति थी भी तो धार्मिक राजनीति थी तथा विद्यार्थियों में लेखक के जीवन शैली का विश्लेषण और कौशल विकास का ज्ञान कराना है।

कबीरदास

(क) कबीर ग्रन्थावली– सं0 श्यामसुन्दर दास, प्रकाशन, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग।

(ख) सूरदासः सूरसागर – सार (संपूर्ण) – सं0 धीरेन्द्र वर्मा, नवीन संस्करण।

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. गुप्ता, दीनदयाल, अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, सूर–साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

(ग) गोस्वामी तुलसीदास पाठ्यग्रंथ :

1 रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड – संपूर्ण) 326 दोहा) – गीता प्रेस, गोरखपुर

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

1. गुप्त, माताप्रसाद, तुलसीदास, हिन्दी परिषद, प्रयाग।
2. शुक्ल, रामचन्द्र,गोस्वामी तुलसीदास, आ0 नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

(घ) जयशंकर प्रसाद –:

पाठ्य ग्रंथ :

1 कामायनी (सम्पूर्ण)

2 ध्रुवस्वामिनी

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

प्रसाद, जयशंकर, कामायनी, डायमंड पाकेट बुक्स, काशी।

प्रसाद, जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, रंजना प्रकाशक मंदिर, आगरा।

(ङ) प्रेमचंद–:

(क) रंगभूमि

(ख) प्रेमाश्रम

(ग) गबन

(घ) मानसरोवर (खण्ड एक)

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे।

CO1-कबीरदास जी की सबद, रमैनी में नीति, व्यवहार, समता, एकता, वैराग्य और ज्ञान की बातें समझाने का प्रयास किया है। इसमें सांसारिक, अध्यामिक, नैतिक और परलौकिक विषयों की भी सहजता के साथ समझाने की चेष्टा की हैं।

CO2- सूरदास और तुलसीदास की कृष्णलीला और रामभक्ति को उनके दर्शन के साथ जोड़कर उनके महत्व और आधार को समझना।

CO3-कामायनी का परिणामहै–समरसता के द्वारा आनंद की प्राप्ति, भावनाओं और दृष्टिकोणों का समन्वय ही समरसता है।

CO4-हिन्दी साहित्य का मौलिक एवं अनूदित से परिचय होता है तथा विद्यार्थियों में लेखक के जीवन शैली का विश्लेषण और कौशल विकास का ज्ञान कराना।

PO-CO Mapping **(Please write 3, 2 ,1 wherever required)**
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	3	1	1	2	1	2	1	3	1	2	1	2
CO2	1	3	1	2	3	1	1	3	1	3	1	2
CO3	1	1	3	2	2	1	1	1	3	1	3	3
CO4	1	1	1	3	1	1	3	1	1	1	1	3

CO-Curriculum Enrichment Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	2	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	3	1	1

Website sources –

- www.amarujala.com
- www.hi.m.wikipedia.org
- www.jagran.com

Glocal University, Saharanpur

चतुर्थ वर्ष, सेमेस्टर–8

A010806T; हिन्दी साहित्य और सिनेमा

(Elective Paper)

उद्देश्य : सिनेमा अभिव्यक्ति का सर्वाधिक प्रभावशाली एवं सशक्त माध्यम है। सिनेमा सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक तथा राजनैतिक सभी स्थितियों को आत्मसात करते हुए रचनात्मक माध्यम बना है जो विद्यार्थियों के कौशलो का विकास करता है।

इकाई –(1) सिनेमा का स्वरूप
सिनेमा का उद्भव
कैमरे की भूमिका
दर्शक और स्क्रीन का संबंध
सिनेमा के प्रकार : कथात्मक दस्तावेजी
प्रयोगात्मक और कला सिनेमा

इकाई –(2) सिनेमा का इतिहास
सिनेमा का आरंभिक युग
सन साठ के बाद का न्यू वेब सिनेमा
इंटरनेट और 21वी सदी में सिनेमा के नए रूप

इकाई –(3) हिन्दी सिनेमा : समाज और संस्कृति–बाल मनोविज्ञान
सिनेमा स्त्री–विमर्श और सिनेमा
सांस्कृतिक विमर्श और सिनेमा
राष्ट्रीयता और सिनेमा

इकाई –(4) सिनेमा और साहित्य का संबधं
साहित्यिक कृतियों पर बनी हिंदी फिल्में

:

पाठ्यक्रम के परिणाम (**course outcomes**)–

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में छात्र सक्षम होंगे।

CO1 चलचित्र ,एक ओर मनोरंजन का साधन व सामाजिक बुराइयों को दूर करने में सहायक है।

CO2 चलचित्र मानव के लिए ज्ञान वृद्वि का साधन भी है जो विद्यार्थियों के कौशलो का विकास करता है।

CO3 दर्शक ,एक सिनेमा हल में इतिहास, भूगोल व विज्ञान सम्बन्धी ज्ञान का सरलता से साक्षात्कार कर लेता है जो राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यक्तित्व विकास के पूरक होंगे।

CO4 सिनेमा अभिव्यक्ति का सर्वाधिक प्रभावशाली एवं सशक्त माध्यम है।

PO-CO Mapping (Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PO11	PO12
CO1	1	1	1	3	1	2	1	1	3	3	3	2
CO2	3	1	1	1	3	3	1	1	2	2	3	2
CO3	1	1	3	1	1	2	1	1	1	2	3	2
CO4	1	3	1	1	1	3	1	1	1	3	3	3

CO-Curriculum Enrichment Mapping(Please write 3, 2 ,1 wherever required)
(Note: 3 for highly mapped, 2 for medium mapped and 1 for low mapped)

	Skill Development	Employability	Entrepreneurship
CO1	3	1	1
CO2	3	1	1
CO3	3	1	1
CO4	2	1	1

अभिस्तावित ग्रन्थ–:

मिश्र डॉ विजय कुमार हिंदी साहित्य और सिनेमा रूपांतरण के आयाम– शिवालिक प्रकाशन
रमा हिन्दी सिनेमा में साहित्यिक विमर्श, हंस प्रकाशन, दिल्ली

Website sources-

- www.hindisahity.com
- www.hindikunj.com
- www.jvbi.ac.in.